

सकषम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0

प्रलिस के लयः

सकषम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0, एकीकृत बाल वकिस सेवाएँ (ICDS), कशोर लड़कियों के लयि योजना (SAG) राषट्रीय शशु गृह योजना, सतत् वकिस लकष्य, पोषण वाटका ।

मेन्स के लयः

पोषण 2.0 और समाज में वंचति बच्चों और महिलाओं को प्रदान करने में इसका महत्त्व ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [महिला एवं बाल वकिस मंत्रालय](#) ने [सकषम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0](#) के कार्यान्वयन के संबंध में परचालन दशानरिदेश जारी कयि हैं ।

- यह लाभार्थियों के आधार सीडगि को भी बढ़ावा देगा ताक 'टेक-होम' राशन की अंतमि टरैकगि और गर्भवती महिलाओं एवं सतनपान कराने वाली माताओं के प्रवास पर नज़र रखी जा सके ।

सकषम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0

परचयः

- वतितीय वर्ष 2021-22 में भारत सरकार (Gol) ने [एकीकृत बाल वकिस सेवाओं \(ICDS\)](#) और पोषण (प्रधान मंत्री की समग्र पोषण योजना) अभयान को सकषम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0 में पुनर्गठति कयि ।
- पुनर्गठति योजना में नमिनलखिति उप-योजनाएँ शामिल हैं:
 - ICDS
 - पोषण अभयान
 - [कशोरियों के लयि योजना \(SAG\)](#)
 - [राषट्रीय शशु गृह योजना](#)

वतितीयनः

- [पोषण 2.0](#) केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच लागत बँटवारे के अनुपात के आधार पर राज्य सरकारों / केंद्रशासति प्रदेशों के प्रशासन के माध्यम से लागू कयि जा रहा [केंद्र परायोजति कार्यक्रम](#) है ।

दृषटकिण

- यह 6 वर्ष तक के बच्चों, कशोरियों (14-18 वर्ष) और गर्भवती और सतनपान कराने वाली महिलाओं के बीच कुपोषण की चुनौतीपूर्ण स्थिति का समाधान करेगा ।
- यह भारत के वकिस के लयि महत्त्वपूर्ण है क्योंकि भारत की आबादी में महिलाओं और बच्चों की संख्या दो- तहिई से अधिक है ।
- [सतत् वकिस लकष्यों](#) की उपलब्धा इस कार्यक्रम के रुपरेखा में सबसे आगे है ।
- यह SDGs वशिष रूप से जीरो हंगर पर SDG 2 और गुणवत्तापूर्ण शकिस पर SDG 4 में योगदान देगा ।
- मशिन बच्चों के स्वास्थ्य और वयस्क उत्पादकता के वकिस हेतु पोषण और बचपन की देखभाल तथा मौलिक शकिस के महत्त्व पर ध्यान केंद्रति करेगा ।

उद्देश्यः

- आँगनवाड़ी सेवाओं के तहत पूरक पोषाहार कार्यक्रम के माध्यम से कुपोषण की चुनौती से नपिटने के लयि व्यापक रणनीति तैयार करना ।
- [कशोरियों के लयि योजना](#) और [पोषण अभयान](#) को [पोषण 2.0](#) के तहत [एकीकृत पोषण सहायता कार्यक्रम](#) के रूप में जोड़ा गया है ।
- पोषण 2.0 के उद्देश्य इस प्रकार हैं:
 - देश के मानव पूंजी वकिस में योगदान देना ।
 - कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करना ।
 - स्थायी स्वास्थ्य और कल्याण के लयि पोषण जागरूकता और खाने की अचछी आदतों को बढ़ावा देना ।

- प्रमुख रणनीतियों के माध्यम से पोषण संबंधी कमियों को दूर करना।
- स्वास्थ्य और पोषण के लिये आयुष प्रणालियों को पोषण 2.0 के तहत एकीकृत किया जाएगा।

■ घटक:

- आकांक्षी ज़िलों और पूर्वोत्तर क्षेत्रों (एनईआर) में 06 माह से 6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं (PWLM) और 14 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की कशोरियों के लिये पूरक पोषण कार्यक्रम (SNP) के माध्यम से पोषण सहायता।
 - प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शक्ति [3-6 वर्ष] और प्रारंभिक प्रोत्साहन (0-3 वर्ष);
 - आधुनिक, उन्नत सक्षम आँगनबाडी सहित आँगनबाडी बुनयिदी ढाँचा; तथा
 - पोषण अभियान

दशानरिदेश:

- यह योजना सभी पात्र लाभार्थियों के लिये खुली है, पूरव शरत केवल यह है कलिभार्थी को आधार पहचान के साथ नकिटतम आँगनबाडी केंद्र में पंजीकृत होना होगा।
- इस योजना की **लाभार्थी 14-18 आयु वर्ग की कशोर बालकिएँ** होंगी, जनिकी पहचान **संबंधति राज्यों द्वारा** की जाएगी।
- आयुष लाभार्थियों को योग का अभ्यास करने और स्वस्थ रहने के लिये प्रोत्साहित करने के लिये **'घर पर योग, परिवार के साथ योग'** और आँगनबाडी केंद्रों और परिवारों के अभियानों का प्रचार करेगा।
- **आयुष मंत्रालय** इस योजना के **कार्यान्वयन के लिये तकनीकी सहायता** प्रदान करेगा।
- इसके अंतर्गत बच्चों में पोषण के स्तर को मापने का प्रयास किया जाएगा।
- यह **गुड** के उपयोग, **मोरेंग (सहजन)** जैसे स्वदेशी पौधों के साथ **फोर्टीफिकेशन** और भोजन की कम मात्रा में उच्च ऊर्जा प्रदान करने वाली सामग्री को बढ़ावा देता है।

आगे की राह:

- भारत में पाँच वर्ष से कम उमर के बच्चों की मौत के लगभग 68 प्रतिशत मामलों के लिये बच्चों और माँ में कुपोषण की स्थतिको ज़मिमेदार ठहराया जा सकता है।
 - इसका मूल रूप से तात्पर्य यह है कएक समय में एक बीमारी बचाने के उपाय करने के बजाय, कुपोषण से समग्र रूप से नपिटना, हमारे बच्चों को अधिक सुरक्षित रखेगा और उनके भवष्य को उज्ज्वल बनाएगा।
- पोषण 2.0 योजना उचित दशिया में अग्रसर है और इसके लाभ को न्यूनतम लीकेज साथ के वंचितों तक पहुँचाना चाहिये।



#AatmaNirbharBharatKaBudget

MISSION POSHAN 2.0 & SAKSHAM ANGANWADI



- 1 2 lakh Anganwadis to be upgraded as 'Saksham Anganwadis'
- 2 Nutritional norms and standards to be improved
- 3 Quality and testing of Take-home Ration to be strengthened
- 4 Traditional community food habits to be promoted
- 5 Delivery of food under the Supplementary Nutrition Program to be optimised



UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न:

Q नम्निलखिति में से कौन-से 'राष्ट्रीय पोषण मशिन' के उद्देश्य हैं? (2017)

1. गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण के बारे में जागरूकता पैदा करना ।
2. छोटे बच्चों, कशोरियों और महिलाओं में एनीमिया के मामलों को कम करना ।
3. बाजरा, मोटे अनाज और बनिा पॉलशि कयि चावल की खपत को बढ़ावा देना ।
4. पोल्ट्री अंडे की खपत को बढ़ावा देना ।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 2 और 3
- (c) केवल 1, 2 और 4
- (d) केवल 3 और 4

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय पोषण मशिन (पोषण अभियान) महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो आँगनवाड़ी सेवाओं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, स्वच्छ-भारत मशिन आदि जैसे वभिन्न कार्यक्रमों के साथ अभिसरण सुनिश्चित करता है ।
- राष्ट्रीय पोषण मशिन (एनएनएम) का लक्ष्य 2017-18 से शुरू होकर अगले तीन वर्षों के दौरान 0-6 वर्ष के बच्चों, कशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में समयबद्ध तरीके से सुधार करना है । अतः कथन 1 सही है ।
- एनएनएम का लक्ष्य स्टंटिंग, अल्पपोषण, एनीमिया (छोटे बच्चों, महिलाओं और कशोर लड़कियों के बीच) को कम करना और बच्चों के जन्म के

समय कम वज़न की समस्या को कम करना है। अतः कथन 2 सही है।

- एनएनएम के तहत बाजरा, बनिा पॉलशि कयिे चावल, मोटे अनाज और अंडों की खपत से संबंधति ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। अतः कथन 3 और 4 सही नहीं हैं।

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

[स्रोत: पीआईबी](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/saksham-anganwadi-and-poshan-2-0>

